

# **Muhammad Gauri's Invasions upon India**

मुहम्मद गोरी के भारत पर आक्रमण

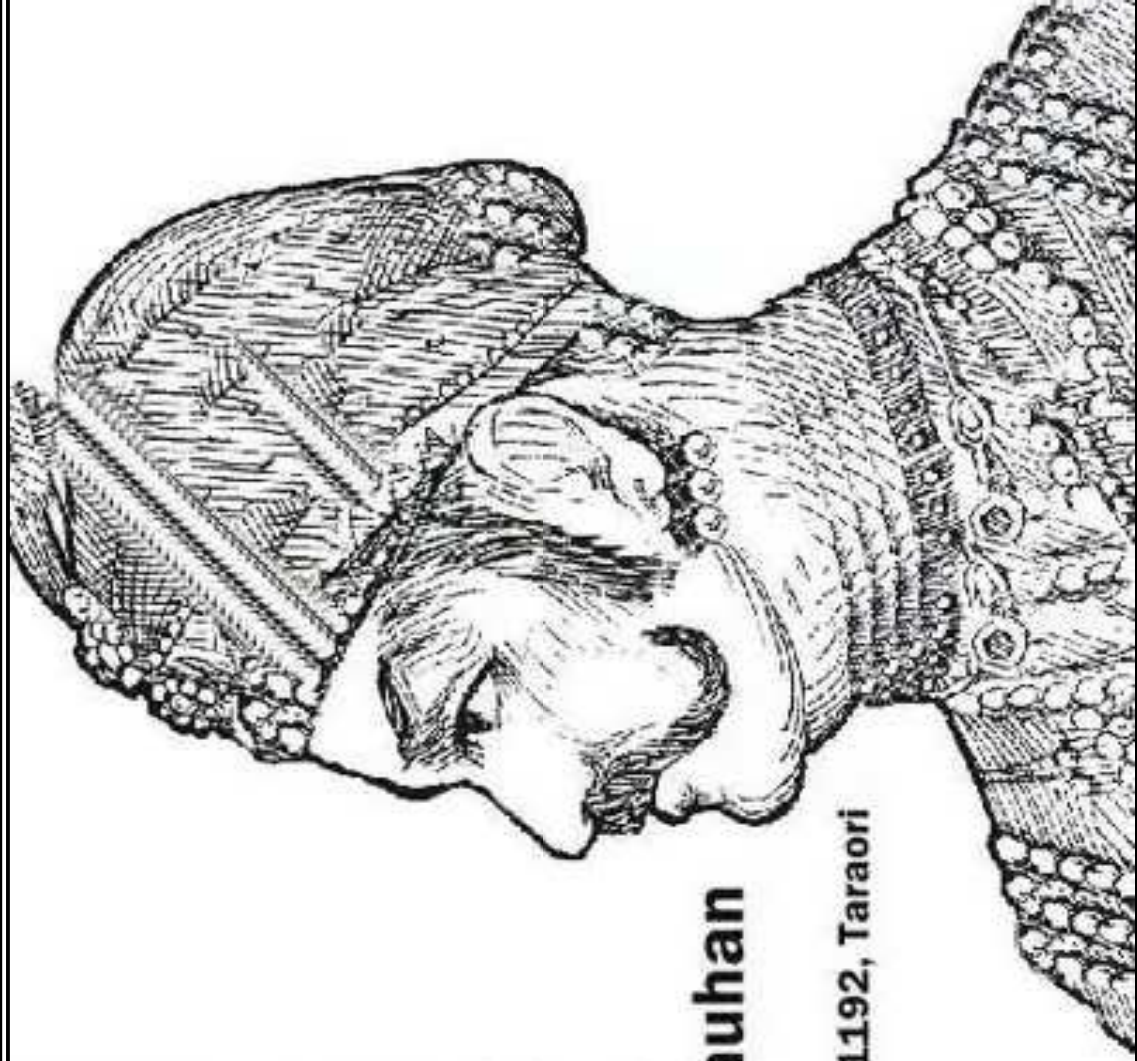
Dr. Gobind Kr Paswan, HOD & Assistant Professor,  
Dept. of History, R.C.S.College, Manjhaul ,Begusarai.  
Lalit Narayan Mithila University Darbhanga .  
Email Id- paswangobind.hist @gmail.com



Muhammad Ghori

## **Prithviraj Chauhan**

**Born: 1149, Ajmer - Died: 1192, Taraori**



- महमूद गजनवी के पश्चात् भारत पर एक दूसरे महत्वपूर्ण तुर्क विजेता का आक्रमण हुआ जो इतिहास में मुहम्मद गौरी के नाम से प्रसिद्ध है। गोर, महमूद गजनवी के अधीन एक छोटा-सा पहाड़ी राज्य था। महमूद के निर्बल उत्तराधिकारियों के समय में यहाँ के सरदारों ने अपनी शक्ति का विस्तार प्रारम्भ किया। गोर के शंसबानी राजवंश के शासकों ने गजनी पर अधिकार कर लिया।
- गजनी नगर को ध्वस्त कर दिया गया। 1173 ईस्वी में शहाबुद्दीन मुहम्मद गौरी, जिसका एक नाम मुइजुद्दीन मुहम्मद बिन साम भी था, वहाँ का राजा बना तथा इसके बाद तीन वर्षों एक गोर साम्राज्य का उत्कर्ष होता रहा। मुहम्मद गौरी वीर एवं महत्वाकांक्षी था।

## मुहम्मद गोरी के भारत पर आक्रमण

1. मुल्तान एवं कच्छ पर आक्रमण 1175–1176 ई०
2. सिन्ध पर आक्रमण 1182 ई०
3. अन्हिलवाड़ पर आक्रमण 1178 ई०
4. पंजाब पर विजय 1178–1186 ई०
5. सरहिन्द पर आक्रमण 1189 ई०
6. तराइन का प्रथम युद्ध 1191 ई०

7. तराइन का द्वितीय युद्ध 1191 ई०
8. जयचन्द्र की चन्दावर के युद्ध में पराजय 1194 ई०
9. अजमेर, हांसी, एवं दिल्ली में विद्रोह 1192–93 ई०
10. बयाना एवं ग्वालियर पर अधिकार 1195–1196 ई०
11. अन्य देशों पर कुतुबुद्दीन के आक्रमण

**तराइन का प्रथम युद्ध तराइन का प्रथम युद्ध**  
1191 ई. में 'तराइन' के मैदान में लड़ा गया था।  
यह युद्ध हिन्दू राजपूत राजा पृथ्वीराज चौहान और  
भारत पर हमला करने वाले मुस्लिम आक्रमणकारी  
शहाबुद्दीन मुहम्मद गौरी के मध्य हुआ।

# तराइन की लड़ाई के प्रभाव

- राजपूतों की राजनीतिक प्रतिष्ठा को झटका लगा।
- भारत में पहला मुस्लिम राज्य की स्थापना हुई थी।
- मुहम्मद गौरी के प्रतिनिधि ऐबक (1206-11) ने भारत में दिल्ली सल्तनत की स्थापना की ।
- भारत के जोखिम को भांपते हुए दूसरे विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत पर आक्रमण किया ।

Thank You !